सा कला या विमुक्तये

# एक परिचय

"जीने की कला को एक नया अर्थ देना चाहती है संस्कार भारती, सुसंस्कारों एवं कलाओं से हम अपनी देवभूमि, मातृभूमि को सुगंधित करें, सजायें और संवारे।"

*जीवन के कटु [illegible] भूल,*
*आओ जीवन [illegible] कर [illegible]*
*उर की प्यासी [illegible] को,*
*कलाओं के माधुर्य [illegible] लें।*

*हर तलवार धार बदल सकती है*
*वक्त की रफ्तार बदल सकती है।*
*हम नयी पीढ़ी को सुसंस्कृत करें,*
*देश की तसवीर बदल सकती है।।*

प्रस्तुत संस्कार भारती 'परिचय पुस्तिका' सम्पूर्ण देश मे [illegible]-२ पर इकाईयों का शक्तिशाली एवं जीवन्त संगठन खड़ा करने में सक्षम सिद्ध हो, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ -

| | |
|---|---|
| अनिल कुमार अग्रवाल | सत्य प्रकाश अग्रवाल |
| व्यवस्थापक | प्रदेश अध्यक्ष |
| सरस्वती बाल मन्दिर | संस्कार भारती प० उ. प्र |
| उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हापुड़ | |

*संबंधित प्रतिष्ठान :-*

- *मैं. बाबूराम सत्य प्रकाश अग्रवाल*
- *मैं. सत्य प्रकाश अनिल कुमार अग्रवाल*

*शुगर केन क्रेशर्स उद्योग*
*कृषि एवं वनीकरण*
*राम गुलाब वाटिका फार्म हाउस*

लक्ष्मी निवास :- ५, ज्ञान लोक हापुड़-२४५१०१ फोन : ३१२८०९

संस्कार भारती आयकर अधिनियम की धारा ८० जी के अन्तर्गत पंजीकृत है

# संस्कार भारती

## एक परिचय

**सम्पादक :**

डा० राकेश अग्रवाल (राष्ट्रीय साहित्य प्रमुख संस्कार भारती)

**सम्पादन सहयोग :**

सत्य प्रकाश अग्रवाल (प्रान्तीय अध्यक्ष प० उ० प्र०)

डा० सुबोध गुप्ता (जिला संयोजक, हापुड़)

सुशील अग्रवाल (महामंत्री, हापुड़)

संजय जिन्दल (व्यवस्था प्रमुख, हापुड़)
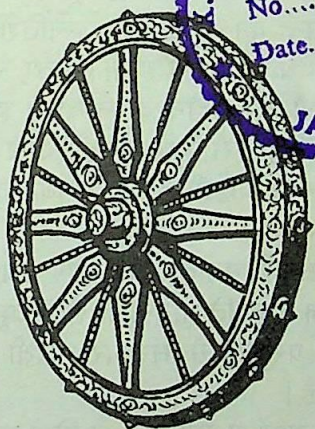


प्रकाशक :

संस्कार भारती, हापुड़

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

मूल्य ५/- रू०

# संस्कार गीत

साधयति संस्कारभारति भारते नवजीवनम्।
प्रणवमुलं प्रगतिशीलं प्रखर–राष्ट्र–विवर्धकम्,
शिवं सत्यं सुन्दरं अभिनवं संस्करणोद्यमम्।
मधुर–मंजुल–राग–भरितम हृदय–तन्त्री–मन्त्रितम्,
वादयति संगीतकं बसुधैकभावन–पोषकम्।
ललितरसमयलास्यलीला–चण्ड–ताण्डव–गमकहेला,
कलित–जीवन–नाटय्वेदं क्रान्ति कान्ति कथा प्रमोदम्।
चतुः षष्ठिकलान्वितं परमेष्ठिना परिवर्तितम्,
विश्रव्चक्रभमणरूपं शाश्वतं श्रुतिसम्मतम्,
जीवयत्यभिलेखमखिलं सप्तवर्णसमीकृतम्
प्लावयति रस सिन्धुना प्रतिहिन्दुमानसनन्दनम्।
साधयति संस्कारभारति–भारते नवजीवनम्।।

## भावार्थ

संस्कार भारती अपनी साधना से भारत में नवजीवन का संचार करना चाहती है। नवजीवनकी यह नूतन व्यवस्था ऐसी होगी जिसके मूल में सच्चिदानन्द का वास होगा, उन्नतिशील होगी, त्वरित गति से राष्ट्र का विकास करने वाली होगी। सत्य, सुन्दर, कल्याणकारी और नित नये संस्कारों को प्रदान करने वाली होगी।

संस्कार भारती ऐसे मधुर मनोहरी और हृदय को मन्त्र मुग्ध करने वाले संगीत का स्वर चाहती है जो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का पोषित करता हो।

सुन्दर, रसपूर्ण, मनोहर नृत्य और उग्र, उद्दीपक, ताण्डव नृत्य तथा माधुर्य, ओज व क्रांति भावनाओं से परिपूर्ण आनन्दायी कथाओं पर आधारित नाट्य प्रस्तुति से संस्कार भारती लोक जीवन में संस्कार जगाना चाहती है।

चौसठ कलाओं से समन्वित, ऋषियों द्वारा परिमार्जित, विश्व चक्र पर गतिमान, कभी नष्ट न होने वाली श्रुतिसम्मत वेदों पर आधारित व्यवस्था को संस्कार भारती भारत में स्थापित करना चाहती है।

संस्कार भारती पुरातन अभिलेखों का संरक्षण सम्वर्धन करते हुए सात वर्णो की रचना से प्रत्येक भारतवासी को रस सागर में डुंबा कर आनन्द विभोर करना चाहती है।

** **

# संस्कार भारती

## (परिचय)

एक समय था जब ललित कलाओं के क्षितिज में कलाकार दिशा विहीन उड़ान भरते थे। जिस और हवा ले गयी, उड़ चले। अपनी जमीन, अपनी जड़ों, अपनी संस्कृति, अपने संस्कारों और अपने मूल्यों का आभास कराने वाली कोई संस्था नहीं थी। संगीत, रंगमंच चित्रकला और सहित्य जैसी ललित कलाओं के क्षेत्र में कलाकारों को ऐसा मंच नहीं मिल रहा था जो उनकी कला को भारतीय लोक मानस के साथ जोड़ कर यशस्वी बना सके।

वर्ष १९८१ में संस्कार भारती का जन्म ललित कलाओं में भारतीय संस्कृति के उत्कृष्ठ मूल्यों को प्रतिष्ठित कराने के उद्देश्य से हुआ। 'संस्कार' व्यक्ति में मनुष्यता जगाने का उपाय हैं। संस्कार सम्पन्न व्यक्ति देवत्व की और बढ़ता है और संस्कार शून्य व्यक्ति पशुत्व की ओर अभिमुख हो जाता है। 'भारती' का शाब्दिक अर्थ सरस्वती या वाणी होता है। इस शब्द से भारत देश की सुदीर्ध और सनातन परम्परा का भी बोध होता है। ललित कलाओं के क्षेत्र में संस्कारों को परवान चढ़ाने वाली अखिल भारतीय संस्था ही संस्कार भारती है।

कलाकारों को जोड़ कर मंच प्रदान करना मात्र संस्कार भारती का कार्य नही है। यदि ऐसा होता तो इसका नाम 'कला भारती' रखना श्रेयस्कर हो सकता था। आज कला क्षेत्र में हो रहे प्रदूषण के कारण संस्कारों को जगाने की इस क्षेत्र मे सर्वाधिक आवयश्कता है। ललित कलायें जनमानस पर गहरा असर डालती हैं। इसलिए संस्कार भारती राष्ट्रीय स्तर पर संगीत, रंगमंच, साहित्य और कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय संस्कारों को जागृत करने का संकल्प लिया हैं।

कलायें समाज जीवन का दर्शन होती हैं। कलाओं से यथार्थ की अभिव्यक्ति होती हैं। उल्लास, उत्साह, उमंग तथा रस, व्यजंन और अलंकारों की उत्पत्ति का आधार ललित कलायें ही हैं। मनुष्य जीवन में ललित कलाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा भी गया है

*"संगीत, साहित्य, कला विहीना,*
*साक्षात पशु पुच्छ विषाण हीना।"*

# अनुभूतियों के दर्पण में कला

- "सत्यं, शिवं, सुन्दरमं की अभिव्यक्ति है कला।"

  प० विष्णु दिगम्बर भात खण्डे

- कला और गंगा में बहुत साम्य है। गंगा के किनारों की तरह कला की भी अपनी एक सीमा होती है। कला शलीनता का नाम है, उत्छृंखलता का नहीं। कला वही है जिसमें सात्विकता और सदाचार की अभिप्रेरणा हो।

  श्री रामकृष्ण परमहंस

- जिस विषय को हमें भाषण या वाचन से समझना कठिन है, उसे हृदयांगम कराने की क्षमता कलाओं में है। समाज में व्याप्त प्रान्त, भाषा और वर्ण के भेद की कलुष धारा को धोकर आपसी ममता, समता और समरसता का भारू भरने की क्षमता की कला रुपी सांस्कृतिक प्रवाह में ही है।

  श्री हो. वे. शेषाद्रि

- कला मिट्टी में प्राण फूंकती है। कला से संस्कारों का सृजन होता है। कला में समाज को झकझोरने की क्षमता–विद्यमान है। विविध कलाओं ने समय–समय पर सोये हुए देश को जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

  श्री योगेन्द्र दा

- कला स्थायी मूल्यों को ऊपर उठाती है और व्यक्ति को आत्मा की ओर प्रेरित करती है, जो भारतीय संस्कृति का मूल है।

  श्री अटल विहारी वाजपेयी

- कला असीम को प्रदर्शित करती है। वह हमेशा बहुमूल्य होती है। किसी भी काल या अवस्था में उसका मूल्य गिरता नहीं है। मनुष्य की आत्मा की अभिव्यक्ति कला में होती है विश्व में कोई भी वस्तु शाश्वत नहीं है। परन्तु कला अमर है। जब तक संसार में मनुष्य का अस्तित्व है, कला का भी अस्तित्व रहेगा।

  चित्रकार श्री पैबलों पिकासो

- कला मनुष्य में मानवीय संवेदनाओं का विकास करके उसके व्यक्तित्व को' समाज के लिए उपयोगी बनाती है। कला जब व्यवसाय बन जाती है तो विकृत रूप धारण करके समाज को

पतन की ओर धकेल देती है।

फिल्म निर्देशक श्री के. विश्वनाथ

- कला मानव जीवन का अनिवार्य अंश है, कोई विलासिता नहीं। कला मनुष्यता का पर्याय है। कला आत्मा की अभिव्यजंना है। विधाता के रचनात्मक कार्यों की पूरकता है। कला मात्र मनोरंजन की वाहिका नहीं, संस्कृति की संवाहिका है। संस्कार के सम्प्रेषण और निर्माण में कला की प्रमुख भूमिका रहती है। कला मनुष्य, समाज और विश्व का परिष्कार करती है।

डॉ. शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव

---

# तुम उठो दीपक जलाओ

रात काली घोर तम है, तुम उठो दीपक जलाओ।
कर भगीरथ यत्न सारे, एक सूरज तुम उगाओ।

जन्म लेकर भी मनुज का, वेदना मन में न जागी
भाव की गंगा बहा कर, मन--वदन निर्मल बनाओ।

बढ़ रहा है भार धरती, कब तलक यह सब सहेगी
त्याग विष वृत्तियों को, बोझ धरती का घटाओ।

अपनी सन्तानों के आगे, हारने धरती लगी है
जल रहा है वतन सारा, मेघ बनकर तुम दिखाओ।

भुमि, धन की चाहतें, नित आदमी की बढ़ रही हैं
एक पग में नाप कर, धरती जरा इनको दिखाओ।

तन निरन्तर जल रहे हैं, रोशनी फिर भी न होती
मन अंधेरों से घिरे हैं, चेतना इनमें जगाओ।

श्वेत वसनों से ढके, आदर्श काले पड़ गये हैं
बीज बोकर साधना के, नित नये पल्लव खिलाओ।

चीर का होता हरण है, हर गली हर द्वार पर
बन गये कितने दुःशासन, कृष्ण बन कर तुम दिखाओ।

*डॉ० कमलेश रानी अग्रवाल, हापुड*

# संस्कार भारती – तम से प्रकाश की ओर

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद एक आशा जगी थी कि स्वराज्य में श्रेष्ठ भारतीय संस्कारों की प्रतिष्ठा होगी, किन्तु हुआ इसके विपरीत। समाज जीवन में विकृतियां बढती गयीं संस्कार घटते गये। परिणाम स्वरुप कानून – व्यवस्था भी पगु हो गयी है। कला माध्यम संस्कार हनन करने के माध्यम बन गये हैं। सिनमा और टी. वी. सस्ते मनोरंजन द्वारा समाज का पथ भ्रष्ट कर रहे है। भाई बहिन के रिश्ते बोझिल हो गये हैं। पति–पत्नी, पिता–पुत्र–मां आदि के अत्मीय सम्बन्धो तक मे स्वार्थ और संघर्ष पैदा हो गया है, जीवन मूल्यों का सतत् ह्वास हो रहा हैं, आर्थिक दौड़ में व्यक्ति मात्र भौतिक वादी बन कर पतन की ओर अभिमुख है।

देश और समाज के वातावरण को सुधारने का एक ही तरीका है कि भारतीय संस्कारों की प्रक्रिया का तेज किया जाये। इसके लिए सर्वाधिक सशक्त माध्यम हमारी कलायें हैं। कलायें मनुष्य के मन--मस्तिष्क को मांझकर कलुष को साफ करती हैं, कलायें संस्कार जगाती हैं प्राण फूंक कर कल्याण का कारण बनती हैं। कलायें निराशा, हताश और कुण्ठा को दूर कर जीवन में उत्साह का संचार करती हैं।

"सा कला या विमुक्तये' अर्थात कला वह है जो बुराइयों के बंध काट कर मुक्ति प्रदान करती है। संगीत, नाट्य, साहित्य, चित्रकला–शिल्प कला आदि कलाओं को भारत वर्ष में मात्र मनोरंजन की दृष्टि से ही नहीं बल्कि संस्कारों के लिए जीवन की साधना के रुप में अपनाया गया। इसी उद्देश्य को पुनः प्राप्त करने के लिए संस्कार भारती ने ललित कलाओं को समाज उत्थान का माध्यम बनाया हैं

**

# संस्कार भारती संकल्प यात्रा

उद्देश्य पावन हो तो राह स्वयं बन जाती है और मंजिल की ओर कदम स्वतः ही बढ़ते चले जाते हैं। फिर संस्कार भारती का कार्य तो ईश्वरीय कार्य है। व्यक्ति और समाज में संस्कार निर्माण का कार्य ही संस्कार भारती का मूल उद्देश्य है ताकि बुराइयों का अन्त होकर श्रेष्ठ शाश्वत मूल्यों की स्थापना हो। ऐसे आदर्श समाज की रचना के संकल्प की पूर्ति हेतू संस्कार भारती ने कलाओं को माध्यम बनाया है।

"एक चित्र हजार शब्दों के बराबर होता है।" कलायें व्यक्ति पर गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ती हैं। महात्मा गांधी पर बालपन में सत्यवादी हरिशचन्द्र के नाटक का ऐसा प्रभाव पड़ा था कि वह जीवन पर्यन्त सत्य का पालन करते रहे। संस्कार भारती चित्रकला, संगीत, नाट्य, साहित्य आदि कलाओं द्वारा जन–जन पर ऐसा प्रभाव ही बनाना चाहती है। कलायें मात्र सस्ता मनोरंजन करने वाली न रह कर उत्तम संदेश देने वाली हों, उत्साह का संचार करने वाली हों। संस्कार भारती प्रतिष्ठित और नवोदित कलाकारों से ऐसी ही कला की अपेक्षा करती है।

राष्ट्रभक्त विचारकों, मनीषियों के वर्षानुवर्ष चिन्तन–मनन और प्रयासों से संस्कार भारती के लिए उर्वरा जमीन तैयार हुई जिसमें संस्कार भारती का नन्हा विटप १६८० में लखनऊ में रोपा गया। जो आज देशभर में अपनी लगभग ६०० शाखाओं के साथ एक विशाल वट वृक्ष बन गया है। वर्तमान में संस्कार भारती कला क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी संस्था बन गयी है।

संस्कार भारती का १.१.१६८१ को विधिवत रूप से पंजीकरण हुआ। फिर अपने स्वयं संविधान के अनुसार संस्कार भारती का कार्य तीव्रगति से चलने लगा। श्री राजेन्द्र गुप्त, पूर्व महापौर दिल्ली संस्कार भारती के प्रथम अध्यक्ष और प्रख्यात पुरातत्व वेत्ता डा० हरिभाऊ वाकणकर प्रथम महामन्त्री बने।

"दीप से दीप जले" इस मान्यता पर संस्कार भारती की इकाइयों का आलोक जगह–जगह फैल रहा है। एक ओर स्थानीय इकाइयों द्वारा ललित कलाओं से सम्बन्धित ऐसे अभिनव कार्यक्रमों का आयोजन किया

जाता है जिनसे समाज को सांस्कृतिक प्रदूषण के इस काल में नई दिशा मिलती है। दूसरी ओर कलाकारों को सही दृष्टि मिलती है। संगीत, नृत्य, नाटक, रंगोली मेंहदी, मंगल कलश सज्जा, कंडील सज्जा, कृष्ण–राधा रूप सज्जा, काव्य सज्जा काव्य सम्मेलनों आदि का स्थान–स्थान पर भव्य आयोजन होता है जिससे समाज को उत्साह और कलाकारों को नितनयी प्रेरणा प्राप्त होती है।

संस्कार भारती के कार्य को गति और दिशा देने के लिए समय–समय पर अखिल भारतीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं और कला साधक संगमों का आयोजन किया जाता है। इस श्रंखला में वर्ष १९८३ में दिल्ली में अखिल भारतीय नाट्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे देश से आये रंगकार्मियों को मा० रज्जू भइया, डा० लक्ष्मी नारायणलाल, श्री बी०एम० शाह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

वर्ष १९८४ में आगरा में संगठनात्मक स्वरूप पर विचार करने के लिए अखिल भारतीय चिन्तन वर्ग का आयोजन हुआ। वर्ष १९८५ में "धरती के स्वर" नाम से लोक गायकों का अखिल भारतीय सम्मेलन दिल्ली में हुआ। फिर पूरे देश में स्थान–स्थान पर ललित कलाओं के विविध विषयों पर कार्यशालाओं की श्रृंखला प्रारम्भ हुई। पूना, फर्रुखाबाद आदि स्थान पर सुप्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना सुश्री काजल शर्मा के निदेशन में नृत्य कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। पदम श्री जितेन्द्र अभिषेकी, श्री भीम सेन जोशी, श्री सुरेश तलवेलकर, सुश्री प्रभा अत्रे आदि के सानिध्य में नागपुर आदि स्थानों पर संगीत कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। श्री चितरंजन कोल्हटकर, श्री बी०एम० शाह, श्री विमल लाठ, श्री श्याम कृष्ण कमलेश्वर सिंह आदि नाट्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में नागपुर, पटना, लखनऊ, कलकत्ता आदि स्थानों पर नाट्य कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। डा० यशोधर मठपाल, श्री योगेन्द्र नाथ योगी, श्री रविदेव आदि कला मर्मज्ञों के निर्देशन में आगरा, जयपुर, मुरादाबाद, पूना आदि स्थानों पर रंगोली की अखिल भारतीय कार्यशालाओं का आयोजन हुआ। आगरा आदि स्थानों पर श्री सोम ठाकुर, श्री विजेन्द्र अवस्थी आदि ख्यातिलब्ध कवियों के सानिध्य में काव्य कार्यशालाओं का समय–समय पर जगह–जगह

आयोजन हुआ। हापुड़ में मा० अटल बिहारी वाजपेयी जी के सानिध्य में अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसका विषय 'सांस्कृतिक प्रदूषण–कारण और निवारण था। हापुड़ में ही हाल में ललित कला कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसका उद्घाटन श्रीमती सुषमा स्वराज ने किया। डा० राजेश्वरचार्य, श्री योगेन्द्र नाथ योगी, श्री दया प्रकाश सिन्हा और मा० योगेन्द्र जी का दिशा दर्शन प्राप्त हुआ।

संस्कार भारती के तत्वावधान में अनेक प्रान्तों में कला यात्राओं का आयोजन समय–समय पर किया गया। इस श्रृंखला में उत्तर प्रदेश में अनूप जलौटा की भजन संध्या के कार्यक्रम अनेक स्थानों पर आयोजित किये गये। ब्रजप्रान्त द्वारा काव्य यात्रा आंवला से आगरा तक आयोजित की गयी। जिसके अन्तर्गत अनेक स्थानों पर राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों का आयोजन हुआ। आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली और प०उ०प्र० में रंगभरो प्रतियोगिताओं में लाखों प्रतियोगियों ने भाग लिया। आज कश्मीर से कन्याकुमारी तक सम्पूर्ण देश में संस्कार भारती की इकाइयां ज्ञानवर्धक, संस्कार क्षम, प्रेरणादायी कार्यक्रमों का नित्यप्रति आयोजन करती हैं। इन इकाइयों द्वारा ललित कलाओं से सम्बन्धित विविध प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त प्रतिष्ठित कलाविदों के कार्यक्रम भी आयेजित किये जाते हैं। कवि सम्मेलनों/गोष्ठियों का आयोजन प्रायः होता रहता है। इन कार्यक्रमों की रचना में पूना, हैंदराबाद, हापुड़, जम्मू, मेरठ, मुरादाबाद, काशीपुर, लखनऊ, काशी, नागपुर, जयपुर, दिल्ली, बेरेली, आगरा, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, पटना, अलवर, कोटा, जोधपुर, गोरखपुर, उन्नाव, उरई, कल्पी, अलीगढ़, फैजाबाद, फर्रुखाबाद, रायबरेली आदि स्थानों की इकाइयां अग्रणी हैं।

संस्कार भारती के वार्षिक अधिवेशन प्रायः सादगी और उत्साह से भरे होते हैं। वर्ष १९९० से इन अधिवेशनों को कलासाधक संगम के रूप में आयोजित किया जाने लगा। इस प्रकार का पहला विशाल कला साधक संगम ६ वें० अधिवेशन के अवसर पर हैदराबाद में आयोजित हुआ। जिसमें माननीय दत्तोपंत ठेंगडी, कुचपुड़ी नृत्य गुरू वैम्पटी चैन्यसत्यम्, प्रसिद्ध गायक सुधीर फड़के आदि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वर्ष १९९१ में भोपाल में १०वां कलासाधक संगम

मा० शेषाद्रि जी एवं सुन्दर लाल पटवा आदि मार्गदर्शकों के सानिध्य में आयोजित हुआ। वर्ष १९९२ में मा० रज्जू भइया, डा० चन्द प्रकाश द्विवेदी एवं श्री भैरों सिंह शेखावत आदि सुधीजनों की स्नेह उपस्थिति में जयपुर में ११ वां कलासाधक संगम सम्पन्न हुआ।

वर्ष १९९३ में काशी में श्री अटल बिहारी वाजपेयी, सुश्री सोनल मानसिंह और श्री अरविन्द त्रिवेदी आदि साहित्य और कला के मर्मज्ञों के मार्गदर्शन में १२ वां कलासाधक संगम आयोजित हुआ। वर्ष १९९४ में पटना में श्री रंगाहरि और डा० विन्देश्वर पाठक की योग्य उपस्थिति में १३ वां कला साधक संगम उम्पन्न हुआ। वर्ष १९९५ में हैदराबाद में डा० सुब्रहमणियम शास्त्री, श्री प्रभाशंकर मिश्र, श्री नागेश्वर राव, के. पी. विश्वनाथ, श्री प्रशान्त नन्द आदि सम्मानित श्रेष्ठ जनों के योग्य मार्गदर्शन में १४ वां कला साधक संगम सम्पन्न हुआ। अधिवेशनों/कला साधक संगमों में स्वनाम धन्य कलाविदों का नागरिक अभिनन्दन करने की श्रेष्ठ परम्परा का प्रायः निर्वाह किया जाता है। चित्र प्रदशिनियाँ भी प्रायः लगायी जाती है। प्रदेशों की विशेषताओं को प्रकट करने वाले रंगमंचीय कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी कला साधक संगमों में प्रायः होती है।

संस्कार भारती को देश के लब्ध प्रतिष्ठित कलाविदों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों आदि का आशीर्वाद प्राप्त है। इनमें सुश्री लता मंगेशकर, श्री भीमसेन जोशी, श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री लाल कृष्ण अडवानी, श्रीमती सुषमा स्वराज, श्री फिदा हुसैन 'नरसी', श्री बी.एम. शाह, श्री कौशल भार्गव, श्री मोती लाल कैम्पो, डा० चन्द्र प्रकाश द्विवेदी, श्री अरविन्द त्रिवेदी, डा० दया कृष्ण विजय वर्गीय, श्री शेखर वैष्णवी, डा० अनिल रस्तौगी, श्री रामस्वरूप रासाचार्य, श्री पी.जी. भट्टाचार्य, श्री नरेन्द्र कोहली, श्री सुधीर फडके, श्री वाड़ा साहब कड़वे, श्री काशी नाथ बोड्स, श्री चितरंजन ज्योतिषी, डा० सिया बिहारी शरण, डा० शान्ति जैन, श्री सोमेश्वर मूर्तिकार, श्री वीरेन्द्र नारायण सिंह, श्रीमति किरण पोद्दार, श्री प्रणाम सिंह, श्री प्रेमचन्द विश्वकर्मा, श्री विजेन्द्र अवस्थी, श्री सोम ठाकुर, डा० यशोधर मठपाल, डा० भगवती लाल राजपुरोहित, डा० दुर्गा शर्मा, डा० कमल किशोर गोयनका आदि सम्मिलित हैं।

**

# कलाकुंज

## (मासिक पत्रिका)

संस्कार भारती की मासिक पत्रिका लखनऊ से प्रकाशित होती है। इस पत्रिका में पूरे देश में संस्कार भारती की इकाइयों द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सचित्र विवरण के अतिरिक्त विद्वान कलाकारों, साहित्यकारों आदि के ज्ञानवर्द्धक लेख प्रकाशित किये जाते हैं। पत्रिका को रूचिकर बनाने के लिए इसमें कविताओं और कहानियों का भी समयानुसार प्रकाशन किया जाता है।

कला कुंज की आवरण सज्जा अत्यन्त आकर्षक होती है। मुखपृष्ठ के चित्रों का संयोजन रंगीन होने के साथ–साथ प्रभावी भी होता है। चित्रकला महाविद्यालय के प्राचार्य श्री योगेन्द्र नाथ योगी कलाकुंज के कला पक्ष को संवारते हैं। संस्कार भारती के अखिल भारतीय मन्त्री आगरा के छाया चित्रकार श्री सत्य नारायण गोयल कला कुंज के संरक्षक है। श्री कुंज बिहारी शुक्ल (जबलपुर) कलाकुंज के प्रभारी हैं। सम्पादक मण्डल में श्रीमती यश श्री देशमुख, पियूषकान्त राय, बजरंग शरण तिवारी शामिल हैं। श्री विकास विमल समाचार सम्पादक का कार्य सम्पन्न करते हैं।

कलाकुंज का वार्षिक शुल्क मात्र ३० रुपये तथा आजीवन शुल्क मात्र २५० रुपये है। संस्कार भारती के सभी सदस्य तथा किसी भी कला से प्रेम रखने वाले सभी सज्जनों को अपने परिवार में कलाकुंज अवश्य मंगानी चाहिए।

**कलाकुंज हेतु पत्र व्यवहार के पते :**

१. 'माधव भवन' माडल हाउस
लखनऊ (उ०प्र०)

२. ६१/१६ जदुनाथ सान्याल रोड़
लखनऊ–१८

# यह देश मेरा

जब तलक आलोक देंगी रश्मियां

फूटकर उर से दिवाकर के

जब तलक सरिता बहेंगी रात–दिन

तोड़ कर बन्धन सभी पाषाण के

जब तलक नभ से हिमालय बात कर

देवताओं को धरा का गीत देगा

तब तलक यह देश मेरा विश्व का सिरमौर बन

ज्ञान की गंगा बहाता ही रहेगा।

शान्ति का संदेश गाता ही रहेगा।

पर समझ लेना न गलती से भी तुम

भारती के पुत्र कायर हैं नहीं

जब तलक है रक्त रग में राम का

बच्चा–बच्चा दुश्मनों का काल होगा।

भारती की वन्दना को झुक रहा हर भाल होगा।

हमने कभी सीमायें लांघी है नहीं

लूटना अस्मत किसी की है कभी भाया नहीं

जब तलक आदर्श जीवित हैं शिवा और श्याम के

जीत निश्चित है हमारी कल तुम्हें विश्वास होगा

इस चमन से गंध लेकर महकता हर सांस होगा।

– सं०

# संस्कार भारती की योजनायें और लक्ष्य

* देश में कला–साधना में रत कला केन्द्रों, कलाकारों एवं विद्वानों से सम्पर्क स्थापित कर कला क्षेत्र को परिमार्जित करके सांस्कृतिक प्रदूषण को रोकना।
* विभिन्न कलाओं के प्रशिक्षण के लिए शिक्षा शिविरों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
* विभिन्न कलाओं के नवोदित कलाकारों को प्रोत्साहित करना तथा समाज से उनका परिचय कराना।
* कला को जन जन के लिए सुलभ बनाना तथा कला के प्रति जनता की रुचि विकसित करना।
* देश भर में फैली कला शैलियों और परम्पराओं को सही दिशा में विकसित करना।
* सत् साहित्य के निर्माण हेतु साहित्यकारों का सहयोग प्राप्त करना।
* ललित कलाओं की प्रकाशित–अप्रकाशित सामग्री का संग्रह करना जिससे अनुसंधान कार्य में सुविधा प्राप्त हो सके।
* नृत्य नाट्य, संगीत, रंगोली, चित्रकला, शिल्प कला, मेंहदी, आदि लोक कलाओं द्वारा लोक रंजन तथा लोक संस्कारों की सृष्टि करना।
* समाज के विभिन्न वर्गो में कला के माध्यम से राष्ट्रभक्ति तथा योग्य संस्कारों का जागरण करना।
* राष्ट्रीय एकता की भावना उत्पन्न करने वाले कला कार्यक्रमों की आयोजन करना।
* विद्वान कवियों द्वारा मांगलिक अवसरों पर सांस्कृतिक गीतों की रचना के लिए प्रेरणा देना।
* कलाओं के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिए विभिन्न स्तरों पर ललित कलाओं से सम्बन्धित प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।

# संस्कार भारती - आशा की एक किरण

* सनातन प्रभु की सनातन संस्कृति ने समस्त संसार को अपनी सभ्यता एवं संस्कृति का संस्कार देकर सुसंस्कृत किया था, किन्तु कालक्रम से आज इसी की सभ्यता, संस्कृति एवं कला–कृति में प्रदूषण की समस्या उपस्थित है। इस दिशा में संस्कार भारती के द्वारा प्रदूषण के कारण का अनुंसधान एवं उसके निवारण का प्रयास स्तुत्य है।

पूज्य सन्त श्री मन्नारायण

* विदेशी आक्रमणकारियों ने राजकीय सत्ता हथियाने के साथ साथ जो सांस्कृतिक और वैचारिक आक्रमण भारतवासियों पर किये, उसके कारण भारतीय मानस आज भी उस अवस्था से उबर नहीं पा रहा है। परश्चातय की नकल के आधार पर भारत का भविष्य बनाने की बात सोची जा रही है। अपनी जड़ों से कट कर कोई वृक्ष कैसे फल–फूल सकता है इसलिए दिग्भ्रमित सांस्कृतिक सोच को ठीक करने का श्रेष्ठ कार्य कला क्षेत्र की अग्रणी संस्था संस्कार भारती कर रही है।

प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया)

* सांस्कृतिक प्रदूषण के काल में श्रेष्ठ मूल्यों की स्थापना के लिए आज संस्कार भारती जैसे संगठन की महती आवश्यकता है।

श्री अटल बिहारी बाजपेयी

* संस्कार भारती से मेरा जन्म–जन्मान्तर का नाता है। कला क्षेत्र जैसा संस्कार भारती चाहती है वैसा ही मैं चाहता हूँ।

डा. चन्द्र प्रकाश द्विवेदी (चाणक्य)

* संस्कार भारती न तो कला की शिक्षण संस्था है और न ही मनोरंजन प्रदान करने वाली संस्था है। इसका गठन न तो अर्थ व यश की कामना के लिए हुआ है और न ही किसी राजनीतिक दल का पृष्ठ पोषण करने के लिए है। संस्कार भारती का उद्देश्य कला द्वारा मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाना है।

श्री सुरेश राव केतकर

* संस्कार भारती बहुत अच्छा काम कर रही है। इसके खुशनुमा और लोगों को सही रास्ता दिखाने वाले प्रोगाम देखकर बहुत खुशी होती है। राम से इसकी तरक्की की दुआ है।

श्री फिदा हुसेन नरसी

---

## किसान और श्रमिक

देवताओं की फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता चल रही थी। अधिकांश देवताओं ने अपने ही रूप को और सजाया–संवारा था। कुछ देवताओं ने व्यापारियों और धनिकों का रूप बनाया था तथा कुछ देवताओं ने ब्रह्मा, विष्णु, महेश का रूप धारण किया था क्योंकि स्वयं ब्रह्मा, विष्णु, महेश निर्णायक थे।

बारी–बारी से देवता मंच पर आते और सुन्दर वस्त्र आभूषणों से सजे अपने स्वरूपों का प्रदर्शन करके मंच से उतर जाते। जैसे ही हल लेकर किसान के रूप में भूदेव और फावड़ा लेकर श्रमिक के रूप में विश्वकर्मा मंच पर आये सभागार तालियों से गूंज उठा। प्रतियोगिता के अन्त में इन दोनों को ही पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार वितरण के बाद ब्रह्मा जी ने विजयी प्रतियोगी विश्वकर्मा और भूदेव को बधाई देते हुए मंच से कहा कि किसान और श्रमिक ही सृष्टि के आधार हैं। इसलिए इनका सम्मान ही सबका सम्मान है। सबने सही निर्णय के आगे सिर झुका दिया। सभागार एक बार फिर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

– सं०

# हमारे छः उत्सव

उत्सव लोक जीवन को गतिमान बनाये रखते हैं। सरसता, समरसता, सोहार्द, सहयोग, समन्वय और सुख की सृष्टि उत्सवों से ही होती है। समाजिक जीवन में उत्सवों का विशेष महत्व होता है। उत्सवों से जन जीवन में उत्साह और उमंगों को संचार होता है। भारत एक उत्सव प्रधान देश है। उत्सव ललित कलाओं को जीवन्त बनाये रखते है। संस्कार भारती वर्ष में मुख्य रूप से छः उत्सवों को मनाती है। ये उत्सव ललित कलाओं के माध्यम से जनमानस को सुसंस्कारित करते हुए राष्ट्रीयता का बोध कराते हैं।

**१. नव संवत्सर उत्सव :-** (नूतन वर्ष अभिनन्दन समारोह) चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भारतीय काल गणना के अनुसार वर्ष का प्रथम दिवस है। इस शुभ दिन प्रभु राम का राज्यभिषेक हुआ था। इसी दिन सम्राट विक्रमादित्य द्वारा विक्रमी सम्वत् का शुभारम्भ किया गया था। इस पुण्य दिवस पर भगवान झूलेलाल तथा डॉ. केशव राव वलीराम हेडगेवार जी का जन्म हुआ था। महर्षि दयानन्द ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना की थी।

इस उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाना चाहिए। नूतन वर्षाभिन्दन के लिए बधाई कार्ड, रंगोली सज्जा, अभिनन्दन द्वार आदि बनाये जाने चाहिए। परिचर्चा, गायन वादन, रंगमंच, चित्रकला, काव्य गोष्ठी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। छात्र–छात्राओं के लिए विविध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा सकता है। इस अवसर पर विगत वर्ष की गतिविधियों का सिंहावलोकन तथा अगामी कार्यक्रमों, संकल्पों का निर्धारण किया जाना चाहिए।

**२. नटराज पूजनोत्सव :-** आषाढ़ पूर्णिमा को संस्कार भारती नटराज पूजन उत्सव के रूप में मनाती है। भगवान नटराज को सभी कलाओं का अधिष्ठाता माना जाता है। नटराज भगवान शिव का नृत्यमय स्परुप हैं सम्पूर्ण ब्रहमाण्ड भगवान शिव की नृत्यशाला है। नटराज का नृत्य, सृष्टि स्थिति, संहार, तिरोभाव और अनुग्रह इन पांच क्रियाओं का द्योतक है।

नटराज पूजनोत्सव पर कला गुरुओं का सम्मान किया जाना

चाहिए। इस अवसर पर ललित कलाओं से सम्बन्धित विविध कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए क्षेत्र के कला मर्मज्ञों का अभिनन्दन करना चाहिए।

३. **कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव :-** श्रावण अष्टमी को पूर्णावतार भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था। भगवान कृष्ण ने समाज की कुप्रथाओं और अन्ध विश्वासों का अन्त करके स्वस्थ परम्परायें स्थापित की थीं। कला क्षेत्र में वह वंशीवादन और राजनृत्य के जनक माने जाते हैं।

कृष्ण जन्मोत्सव पर प्रमुख रूप से कृष्ण रूप सज्जा, गीता पाठ, वंशीवादन, रास, नृत्य, कृष्ण लीला, आदि प्रतियोगिताओं या कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है। कृष्ण के जीवन प्रसंगों पर सुन्दर झाकियों की शोभा यात्रा भी निकाली जा सकती है।

४. **दीपोत्सव (परिवार आनन्द मेला) :-** कार्तिक की अमावस्या को दीपावली का प्रकाशोत्सव असत्य पर सत्य की विजय के उत्सव के रूप में दीप जला कर मनाया जाता है। इसी दिन भगवान राम लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद अयोध्या आये थे।

दीपोत्सव पर दीप सज्जा रंगोली, लोक गीत आदि प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जा सकता है। इस अवसर पर उत्साह उमंग जगाने के लिए दीपावली मेले का भी आयोजन किया जा सकता है।

५. **गंणतत्र दिवसोत्सव :-** २६ जनवरी गणतन्त्र दिवस को संस्कार भारती भारत माता पूजन उत्सव के रूप में मानाती है। हमने भारत को मातृभूमि माना है। जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से बढ़ कर होती है।

इस अवसर पर देश–भक्ति के गीतों की प्रतियोगिता आयोजित की जानी चाहिए। रंगमंच, कवि सम्मेलन, प्रभातफेरी आदि जनचेतना जगाने वाले कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा सकता है।

६. **भरत मुनि जयन्ती उत्सव :-** माघ पूर्णिमा को भरतमुनि की जयन्ती संस्कार भारती द्वारा पूरे देश में नाट्य आयोजनों के साथ सम्पन्न होती है। ललित कलाओं के विश्वकोष नाट्यशाष्त्र का निमार्ण करने वाले भरत मुनि के रूप में तथा उनके इस विश्व कोष को पंचम वेद के रूप में जाता जाता है।

भरतमुनि नाट्य शास्त्र के प्रणेता रहे हैं इसलिए उनकी जयन्ती पर विशेष रूप से रंगमंच के कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए। नाट्य सम्बन्धित विषयों पर संगोष्ठियां भी है आयोजित की जा सकती है।

# संस्कार भारती
# अखिल भारतीय कार्यकारिणी

केन्द्रीय कार्यालय–माधव भवन, १७३, वीर सावरकर नगर,
आगरा–२८२ ०१०

**मार्गदर्शक**

**मा. श्री सुरेश राव केतकर**

भारती भवन, ५८, राजेन्द्र नगर पूर्व, लखनऊ–२२६००४ फोन : ०५२२/२४७६५१

**संरक्षक**

**श्री राजेन्द्र जी गुप्त**

२०, बारह खम्बा रोड, नई दिल्ली–११०००१ फोन : ०११/३३१८०५

**अध्यक्ष**

**श्री शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव**

१०–ई, राजेन्द्र नगर, पटना–८०००१६ फोन : ०६१२–६५२३४६

**उपाध्यक्ष**

**श्री जय प्रकाश**

१०० यू.पी. जवाहर नगर, दिल्ली–११०००७ फोन : २६१३६८२–२६११५२०

**श्री यादव राव देशमुख**

७–ई स्वीमी रामतीर्थ नगर, दिल्ली–११००५५ फोन : ५२६७३५/६२

**श्री राज दत्त**

७–ई माहेश्वरी नगर, ओ.आर.के. मिल लेन, अंधेरी पूर्व, बम्बई–४०००६३
फोन : ८३१४५६८

**श्री विमल लाट**

५२, जकारिया स्ट्रीट, कलकत्ता–७०००७३
फोन : का. ०३३/२५५२५५/आ. ३८५६६६

**महामंत्री**

**श्री जगदीश पाल**

संस्कार भारती, माता मन्दिर गली, झण्डेवालान, नई दिल्ली–११००५५
फोन : का. ०११/७५२६३०६

**मन्त्री**

**श्री सत्य नरायण गोयल**

२६/५६, राजा मण्डी, आगरा–२८२००२ फोन : ०५६२/३५३२४५

**श्री योगेन्द्र नाथ योगी**

कला शिल्प महाविद्यालय, टैगोर मार्ग, लखनऊ–२२६००७ फोन : ०५२२/७२३६३

श्री अरूण चक्रवर्ती

१५-ए, अम्बिका घोषाललेन, हावडा-७१११०२, पश्चिम बंगाल

सौ० माधवी ताई कुलकर्णी

२०१ रोशन अपार्टमेन्ट, ११ भगवान दीन नगर, इन्दौर-४५२००१ फोन : ०७३१/८५६१३८

श्री एम. मोहन रेड्डी

मकान न. १८-४-१५३/I (प्रथम)/बी अलियाबाद, हैदराबाद-५००२५३

कोषाध्यक्ष

श्री पूरन चन्द्र अग्रवाल

२/१२, मोहन पुरा, आगरा-२८२००१

फोन : का. (२५६२) २६०५३६ आ. ३६४२२८, ३६४५६३

संगठन मन्त्री

श्री योगेन्द्र दा, संस्कार भारती

१७३, वीर सावरकर नगर, आगरा-२८२०१० फोन : ०५६२/३१००७६, ३१०२२३

नाट्य प्रमुख

श्री दया प्रकाश सिन्हा

२५५-बी सेक्टर २६, नोएडा जि. गाजियाबाद-२०१३०१ फोन : ०११-८५२४६११

साहित्य प्रमुख

डा० राकेश अग्रवाल

'हिमदीप' राधापुरी, हापुड़ गाजियाबाद-२४५१०१ फोन०१२२/३११०१५, ३१५१६५

चित्रकला प्रमुख

श्री शान्ति देव

१०/११०, सहकार नगर, चेम्बूर, मुम्बई-४०००७१ फोन : ०२२/५२२१३६२

संगीत प्रमुख

श्री हीरा लाल कोठारी

६-२ डी, खेलात घोष लेन, कलकत्ता-७००००६ फोन : ०३३/२३६४३७०.

कला कुन्ज पंजिका प्रमुख

श्री कुन्ज बिहारी शुक्ल

विनायक निवास ५५, गोपाल बाग जबलपुर-४८२००२

फोन : ०७६१/३४०१०६

श्री श्याम कृष्ण जी

सी-१०५, सेक्टर-ए, महानगर, लखनऊ-२२६००६ फोन : ७४०१७

श्री शंकर पुरुषोत्तम नेकासकर

लोहिया बाजार, गुब्बारा फाटक, लश्कर, ग्वालियर-४७४००१

**श्री शरद विनायक ढमढेरे**

देवेच्छा, सारिका कॉलोनी, सेक्टर टू, १५७ विनय नगर, ग्वालियर–४७४०१२

**उत्तरांचल प्रमुख**

**श्री नरेन्द्र जीत सिंह**

७०, विजय नगर, भिवानी, हरियाणा–१२५०२१

फोन : ०१६६४/४३१७८, ४३२५६

**उत्तर मध्यांचल प्रमुख**

**श्री बाँके लाल गौड़**

संस्कार भारती, १७३, वीर सवारकर नगर, आगरा–२८२०१०

फोन : ०५६२/३१००७६, ३१०२२३

**उत्तर पूर्वाचंल प्रमुख**

**श्री अमीर चन्द्र**

संस्कार भारती, विजय निकेतन पथ, ६–ई, राजेन्द्र नगर, पटना–८०००१६ फोन : ०६१२/६५३२००

**दक्षिणी पूर्वाचंल प्रमुख**

**श्री ई० एल्लाराव**

८/३/६७७/११, कृष्ण देवराय कालोनी, हैदराबाद, ए.पी.–५०००७३

फोन : ०४४२/२२३५५५

**दक्षिणांचल प्रमुख**

**डा० के. घनश्यामल प्रसाद राव**

मानिकाआम्बा वेदी, कुचीमान्ची अग्रहारमअमलापुरम, ए.पी.–५३३२०१

फोन : ०८८५६/२१०२५

**मध्यांचल प्रमुख**

**श्री बसन्त जी जोशी**

१०, चन्द्रभागा भवन, द.ल. मार्ग दादर, मुम्बई–४०००२८

फोन : ०२२/४३०६३५६

**पश्चिमांचल प्रमुख**

**श्री सुहाष राव कुलकर्णी**

११४–अ, प्रभात रोड, पुणे, महाराष्ट्र–४११००४ फोन : ०२१२/३४३८४६

**उत्तर पश्चिमांचल प्रमुख**

**श्री ललितेष जी शर्मा**

शिवकृपा, ६७–अ, लक्ष्मी नगर, पावटा सी रोड, जोधपुर–३४२०१०

फोन : ०२६१/४६६८८, ४८०५७

## स्थानीय समिति गठन हेतु दिशा निर्देशक नियम

संस्कार भारती के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए स्थान–स्थान पर समितियों का गठन आवश्यक है। जिसके लिए दिशा निर्देशक नियमों की आवश्यकता काफी दिनों से अनुभव की जा रही थी। इस हेतु स्थानीय इकाइयों के गठन को सरल बनाने के लिए यहां कुछ नियमों का उल्लेख किया जा रहा है –

समितियों के प्रकार – स्थानीय समिति चार प्रकार की हैं।

१. परिपूर्ण २. स्थायी ३. अस्थायी ४. सम्पर्कित

**परिपूर्ण समिति** - परिपूर्ण समिति में अध्यक्ष, चार उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष, आय व्यय निरीक्षक, प्रचार मंत्री, विधाशः संयोजक (संगीत, नाट्य, चित्रकला, साहित्य) एवं न्यूनतम पाँच कार्यसमिति सदस्य होंगे।

**स्थायी समिति** - अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष एवं न्यूनतम दो कार्य समिति सदस्य होंगे।

**अस्थायी समिति** - संयोजक एवं चार सहयोगीं होंगे।

**सम्पर्कित स्थान** - जहाँ पर सम्पर्क होकर समिति के गठन हेतु संयोजक नियुक्त हो गये हों।

**सदस्यों की अर्हता :-**

भारतीय परम्परा से अनुप्राणित, ललित कलाओं के प्रेमी, कलाओं के उत्सर्ग में सहयोगी बंधुओं, भगनियों को इक्ट्ठा करके नवोदित कलाकारों को दिशा देने एवं समाज को स्वस्थ संस्कार देने में अभिरूचि रखने वाले बन्धुओं को एकत्र करना हमारा ध्येय है। सदस्यों का कलाकार होना आवश्यक नहीं है, परन्तु कला प्रेमी होना आवश्यक है।

**सदस्यता के प्रकार :-**

**१. संरक्षक सदस्य** - समिति को ५१००/– रू० अथवा इससे अधिक धन राशि अथवा सम्पत्ति दान करने वाले महानुभाव प्रबन्ध कारिणी की स्वीकृति के पश्चात् संरक्षक सदस्य होंगे।

**२. आजीवन सदस्य** - समिति को १०००/— प्रदान करने वाले, प्रबन्धकारिणी की स्वीकृति के पश्चात् आजीवन सदस्य होंगे। छोटे नगरों तथा ग्रामों के लिये यह राशि स्थानीय समिति कम कर सकती है।

**३. सामान्य सदस्य** - समिति को रू १००/— वार्षिक सदस्यता शुल्क देने वाले महानुभाव प्रबन्धकारिणी की स्वीकृति के पश्चात् सामान्य सदस्य होंगे। छोटे नगरों तथा ग्रामों के लिये यह राशि स्थानीय समिति कम कर सकती है।

**४. कला साधक/छात्र सदस्य** - समिति को रू० २५/— वार्षिक सदस्यता शुल्क देने वाले कलासाधक/छात्र प्रबन्धकारिणी की स्वीकृति के पश्चात् सदस्य बन सकेंगे।

**५. मानद सदस्य** - प्रत्येक स्थान पर श्रेष्ठ कलाकार, साहित्य एवं कवि आदि बन्धु भी अपने साथ जुड़ें, इसका प्रयास आवश्यक है। ऐसे महानुभावों को निशुल्क मानद सदस्यों के रूप में स्थानीय प्रबन्धकारिणी समिति अपने कार्यकाल के लिये मानद सदस्य के रूप में ले सकती है। ऐसे सदस्यों की संख्या परिपूर्ण समिति में चार से अधिक नहीं होगी।

**स्थानीय समितियों का गठन :-** स्थानीय समितियाँ महानगर/नगर/ग्राम स्तर पर गठित की जा सकती है। आवश्यकतानुसार एक स्थान पर एक से अधिक समितियाँ भी गठित की जा सकती हैं। व्यवस्था की दृष्टि से प्रान्त द्वारा पंचायत/खण्ड/अनुमंडल/जिला एवं विभाग स्तर तक के प्रमुख नियुक्त किये जा सकते हैं।

**महिलाओं की भागीदारी** - महिलायें कला और संस्कृति की जननी होती है। वे नई पीढ़ी को कोमल एवं श्रेष्ठ भावनाओं से सुसंस्कृत करने में विशेष रुप से सक्षम हैं, इसलिये प्रत्येक समिति में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना उत्तम रहेगा।

**आजीवन दर्शक परिवार** - स्थानीय समितियाँ स्थानीय आधार पर रू० ११००/— तक दान स्वरूप लेकर आजीवन दर्शक परिवार सदस्य बना सकती हैं, यह धन समिति द्वारा बैंक में अक्षुण्य राशि के रूप में रखा जायेगा। इस राशि से प्राप्त बैंक ब्याज को ही समिति अपने कार्यक्रमों में व्यय कर सकेंगी। ऐसे दर्शक परिवार सदस्य संस्कार भारती के सभी कार्यक्रमों में सादर आमन्त्रित रहेंगे।

***समिति के अंग :-*** १. साधारण सभा, २. प्रबन्धकारिणी समिति

**१- साधारण सभा**

**(क) गठन** - सदस्यता के प्रकार के अर्न्तगत दिये गये पाँचों प्रकार के सदस्य साधारण सभा के सदस्य होंगे।

**(ख) बैठकें** - १. साधारण सभा की वर्ष में एक बार वार्षिक बैठक अवश्य होगी। बैठक का आयोजन अध्यक्ष से परामर्श करके महामन्त्री करेगा।

२. वार्षिक बैठकों के अतिरिक्त हर तीन माह में बैठक करते रहना उत्तम रहेगा।

**(ग) सूचना अवधि** - वार्षिक साधारण सभा की बैठक की सूचना निर्धारित तिथि से कम से कम एक मास पूर्व दी जानी आवश्यक है। विशेष बैठक के लिये सूचना एक सप्ताह पूर्व भेजी जानी चाहिये।

**(घ) गणपूर्ति** - साधारण सदस्यों का १/८ अथवा कम से कम ८ सदस्यों की उपस्थिति गणपूर्ति मानी जायेगी।

**२- प्रबंधकारिणी समिति**

**(क) गठन** - अध्यक्ष के मनोनयन हेतु प्रान्त अध्यक्ष। प्रान्त संगठन मन्त्री की संस्तुति आवश्यक होगी। अध्यक्ष शेष पदाधिकारियों का मनोनयन प्रान्त के अधिकारियों के परामर्श से करेंगे। समिति की मान्यता निर्धारित कार्यक्रम में किन्हीं वरिष्ठ प्रान्तीय अधिकारी द्वारा धोषित की जायेगी।

**(ख) बैठक** - प्रबंधकारिणी की प्रतिमास एक बैठक आवश्यक है। बैठक की सूचना तीन दिन पूर्व देनी होगी। अध्यक्ष एवं महामन्त्री आवश्यकतानुसार ४८ धण्टे के नोटिस पर भी बैठक बुला सकते हैं।

**(ग) गणपूर्ति** - प्रबन्धकारिणी समिति के १/५ सदस्यों की उपस्थिति गणपूर्ति मानी जायेगी।

**(घ) कार्यकाल** - स्थानीय समिति का कार्यकाल एक वर्ष/दो वर्ष का होगा। कार्यवर्ष एवं १ अप्रैल से ३१ मार्च तक रहेगा।

**(ड) कार्य** -

१– संस्कार भारती के उद्देश्यों को कार्यान्वित करना।

२– लोक कलाओं द्वारा लोक रंजन एवं लोक संस्कारों की सृष्टि करना।

३– केन्द्र द्वारा निर्धारित सभी छः कार्यक्रमों (१. नव वर्ष प्रतिपदा २. नटराज पूजन ३. श्री कृष्ण रूप सज्जा ४. दीपावली परिवार आनन्द मेला ५. भारत माता पूजन ६. भरतमुनि जयन्ती) को सम्पन्न करना।

४– समिति के कार्यक्षेत्र के लिये पर्याप्त धन संग्रह करना तथा उसका हिसाब किताब सही प्रकार से रखना और वार्षिक साधारण सभा में पास कराना।

५– सदस्यता की सूची एवं प्रबंधकारिणी समिति की सूची ३० जून तक प्रान्तीय कार्यालय को भेजना अनिवार्य होगा।

६– प्रत्येक परिपूर्ण समिति को सम्बन्धता शुल्क के रूप में रु० १००/– व स्थायी समिति का रु० ५०/– वार्षिक शुल्क के रूप में ३० जून तक प्रान्त को भेजना अनिवार्य होगा।

७– प्रत्येक समिति अपनी सभी गतिविधियों से समय–समय पर प्रान्त को अवगत कराती रहेगी।

**समिति का कोष :-**

१– प्रत्येक समिति को पंजीकृत बैंक में अध्यक्ष, महामन्त्री, कोषाध्यक्ष के नाम से खाता खोलकर सभी प्रकार की एकत्रित राशि को जमा करना होगा। खाते का संचालन उपरोक्त तीन में से दो के हस्ताक्षर से होगा। इनमें कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षर अनिवार्य होगें।

२– मान्यता प्राप्त इकाई को संस्कार भारती की रसीद बहियों पर उत्सवों आदि के लिये धन संग्रह करने का अधिकार होगा। रसीदों को ठीक प्रकार से रखने की जिम्मेदारी कोषाध्यक्ष या फिर महामन्त्री की होगी।

३– समिति स्मारिका आदि प्रकाशित करके तथा अनुदान आदि से धन संग्रह कर सकेगी।

४– प्रत्येक समिति को अपने आय व्यय का निरीक्षण कराना आवश्यक होगा। हिसाब किताब के रख रखाव में सतर्कता, व्यय करने में

मितव्ययता तथा निरीक्षण करने में तत्परता बरतने से हमारी साख बनेगी, साख बनेगी तो धन की भी कमी नहीं रहेगी।

**समिति के अभिलेख :-** समिति के अभिलेखों में सदस्यता रजिस्टर, सभा (बैठक) सूचना, कार्यवाही रजिस्टर, स्टाक रजिस्टर महामन्त्री के तथा कैशबुक व लेजर कोषाध्यक्ष के संरक्षण में रहेंगे।

**प्रतिबद्धता -** स्थानीय इकाईयाँ अपने ऊपर की अर्थात प्रान्तीय, प्रादेशिक एवं अखिल भारतीय संस्कार भारती के निर्देशों का पालन अवश्य करेगी। किसी विवाद की स्थिति में समिति को भंग करने का अधिकार प्रान्त को होगा व भंग समिति की चल-अचल सम्पत्ति प्रान्त की सम्पत्ति होगी।

**सदस्यता की समाप्ति :-**

सभी प्रकार के सदस्यों की सदस्यता निम्नांकित स्थितियों में समाप्त मानी जायेगी –

१. *मृत्यु।*

२. *त्यागपत्र।*

३. ***कार्यकाल समाप्त होने पर।***

४. ***दीवालिया या पागल घोषित होने पर।***

५. ***संस्था के हित के विरूद्ध कार्य करने पर।***

६. ***दुराचार अथवा अनैतिक आचरण करने पर।***

**आदर्श समिति :-** • मासिक बैठक • पंजिकाओं की व्यवस्था • आगत निर्गत पंजिका व फाईल • सम्पन्न कार्यक्रमों के छायाचित्र एलबम व समाचार पत्रों की कतरन • केन्द्र द्वारा निर्धारित सभी छः कार्यक्रमों की सम्पन्नता • एवं कार्यालय का होना आदर्श समिति का द्योतक होता है। आशा है प्रत्येक समिति इन नियमों का पालन करके इस ओर अपने पग बढ़ायेगी, क्योंकि शक्तिशाली एवं जीवन्त समिति ही संस्कार भारती की रीढ़ की हड्डी हैं।

# वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम्

सुजलां सुफलां मलयज शीतलाम्

शस्य श्यामला मारत् (वन्देमातरम्)

शुभ्र–ज्योत्सना पुलकित यामिनीम्

फुल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्

सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्

सुखदाम, वरदाम् मातरम् (वन्देमातरम्)

कोटि कोटि कंठ कल कल निनाद कराले

कोटि– कोटि भुजधृत खरकरवाले

अबला केनो मां एतो बले

बहुबल धारिणीम् नमामि तारिणीम्

रिपुदल वारिणीम् मातरम् (वन्देमातरम्)

तुमि विद्या तुमि धर्म, तुमि ह्रदि तुमि मर्म

त्वं हि प्राणा शरीरे

बाहु ते तुमि मां शक्ति ह्रदये तुमि मां भक्ति

तोमारई प्रतिमा गडि मन्दिरे–मन्दिरे (वन्देमातरम्)

त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी

कमला, कमलदल विहारिणी

वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वां, नमामि कमलाम्

अमलाम्, अतुलाम्, सुजलां, सुफलां, मातरम् (वन्देमातरम्)

श्यामलाम्, सरलाम्, सुस्मिताम्, भूषिताम

धरणीम्, भरणीम् मातरम्, (वन्देमातरम्)

**

# संस्कार भारती के कलाक
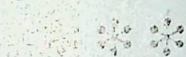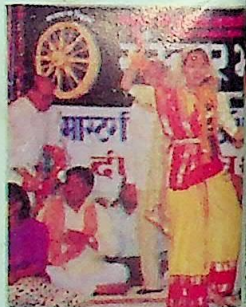
# ारा प्रस्तुत विभिन्न कार्यक्रम

"सा कला या विमुक्तये"

✤ ✤ ✤

"कला के बिना कलाकार नहीं,
संस्कार के बिना इन्सान नहीं।"

☆ ☆ ☆

"पत्थर में भी प्राण फूंक दें, शिल्पी मेरे
इन्द्र धनुष सी छटा बिखेरें यहां चितेरे
धरती का श्रृंगार रंगोली से होता है
चरवाहे भी रस भीना संगीत बिखेरें।"

सं०

पन्द्रह वर्षो से जन चेतना के लिए अथक सफलतम प्रयासों के बाद सोलहवें वर्ष में प्रवेश पर संस्कार भारती को उल्लास एवं रंगभरी शुभकामनाओं के साथ

संस्कार भारती का कार्य स्वयं ही इसका परिचय है।

"भारती की ज्योति जगमग दे रही है संस्कार
मिट रहे हैं लोक मानस के अंधेरे।
बढ़ रहे हैं राष्ट्र सेवा को कदम जो
फूल कुदरत राह में उनकी बिखेरे।"

सं०

"फूल बन के सदा खिलते रहो वीराने में
दीप बन के सदा रोशन रहो अंधियारे में।
जीवन में पल-पल हो शुभ आपको
आदर्श बन के सदा चलते रहो जमाने में।"

सं०

राष्ट्र नव निर्माण के पुण्य प्रयास में ललित कलाओं के माध्यम से दिग्भ्रमित युवा पीढ़ी को सुस्कारित कर स्वस्थ दिशा प्रदान कर रही संस्कार भारती आज की आवश्यकता है। हम सब मिलकर इसके 'संस्कार रोपण' के ध्येय को पूरा करने में यथाशक्ति योगदान करें।

☆ ☆ ☆

**"है राह सब के लिए इस तरह काँटे न बो,**

**दो चार दिन सुख के लिए इन्सानियत अपनी न खो।"**

*** 

*पाषाण पर रोपा गया पौधा कभी फलता नहीं,*

*सूरज अगर ढलता नहीं तों पूरब उसे मिलता नहीं।।*

✡ ✡ ✡

अंचल प्रमुख :
श्री नरेंद्र जीत सिंह
७०, विजयनगर,
भिवानी-१२५०२१, हरियाणा
फोन : आ. ०१६६४/४३२५६,
का. ४३१७८

श्री मक्खनलाल आइमा
जागृती निकेतन, कच्ची छावनी,
जम्मू -(ज. का.)- १८०००४

श्री पूरनचंद्र भूरीया,
५५/३, त्रिकूटा नगर,
जम्मू-तावी -१८०००४ (ज.का.)
फोन : (आ.) ०१८१/३०४३४
(का.) ०१९१/५५४६०९

श्री ओमप्रकाश भूरीया,
५/१७६, नानक नगर,
जम्मू-तावी-१८०००४ (ज. का.)
फोन : (का.) ०१९१/५७३१७५

श्री हंसराज धवन,
५१०, न्यु जवाहर नगर,
जालंधर शहर - १९४ १०१,
पंजाब
फोन : ०१८१/२२५०६८

श्री भद्रसेन टंडन,
४८२, मास्टर तारासिंह नगर,
जालंधर शहर-१४४००८
फोन : ०१८१/२२७०१३ पंजाब

श्री त्रिलाकी नाथ जी,
३१३५/२१-डी,
चण्डीगढ़-१६० ०२१
फोन : ०१७२/४३१४५-२९८८२

श्री कृष्णप्रसाद गुप्ता,
केशव निवास, १०१७/१८ सी,
चंदीगढ-१६० ०१८
फोन : ०१७२/४२४१०

श्री टेकचंद ठाकुर,
परासर काटेज,
निकट अली मंजिल, संजौली
शिमला-१७१००६
फोन : ०१७७/२४०४७९

श्री सुभाषजी सुध
सेक्टर १, व्ही.सी.एस.कॉलोनी,
न्यु शिमला - १७१००९
फोन : ०१७७/२२१४६८

श्री सतोषजी गुप्ता,
डायरेक्टर सेंचुरी टयुब्स प्रा. लि.,
भिवानी - १२५ ०२१
फोन : ०१६६४/४२७५०

प्रो. कैलाशचंन्द भंसीन,
निकट दर्पन सिनेमा,
मंडी डबवाली, डि. हिसार,

श्री इन्द्रसिंह शास्त्री,
व्हाईस प्रिन्सीपल,
शिक्षा भारती विद्यालय,
रामनगर, रोहतक-१२४००१
फोन : ०१२६२/४२७५०
जींद (आ.) ०१५३२/७२१३४

श्री नानाजी देशमुख,
'सियाराम कुटीर'
रामकुटी, चित्रकुट, जि. सतना
मध्य प्रदेश-४८५३३१
फोन : ०७६७२/६५३५३

श्री राजेन्द्रजी गुप्ता
बीस बारहखंबा रोड,
न्यु दिल्ली-११० ००१
फोन : ०११/३३१८०५-१५

श्री दयाप्रकाश सिन्हा
बी-२५५, सेक्टर २६, नोयेडा,
जि. गाजियाबाद-२०१३०१
फोन : ०११/८५२४९११

श्री जगदीश पालजी
११, मेन रोड, आदर्श नगर,
पटपडगंज गांव, दिल्ली-११००९१

फोन : आ. ०११/२२५८५१८
का. ०११/७५२९३०९-७५२३१४६

श्री यादवराव देशमुख,
७-इ, स्वामी रामतीर्थ नगर,
दिल्ली-११० ०५५,
फोन : ०११/५२४५५५-५२६७३५

श्री गोपालकृष्ण अरोरा
रामायतन, एस-७, न्यू शहादरा,
दिल्ली-११० ०९२
फोन:०११/२२८४६४६-२२८५५२९

श्री सत्यनारायण बंसल
६४७९, कटरा बडीयान,
दिल्ली-११० ००६
फोन : ०११/७५२९३०९-२३९२७३

श्री जयप्रकाशजी,
१०० यु.बी. जवाहर नगर,
न्यु दिल्ली - ११० ००७
फोन : ०११/२९१३९८२-२९११५२०

श्री संतोषजी तनेजा
ए-२८७, डेरावाल नगर,
दिल्ली - ११० ००९
फोन : ०११/७११२७६०

श्री राजेश जैन
सी-१४४,
महाराणा प्रताप एन्क्लेव,
रानीबाग, न्यु दिल्ली - ११० ०३४
फोन : आ. ०११/७१९३६६३
का. ०११/३२५३२०७

श्री कृष्णकुमार
जी-३२/३८, लाल दरवाजा,
बाजार सिताराम,
न्यु दिल्ली - ११० ००६
फोन : ०११/३२६९५७१

श्री रामेश्वर भारद्धाज, विधायक
बी-६, एम.एल.ए. क्वार्टर्स,
जयपुर - ३०२ ००१
फोन : ०१४१/३६६४७१-३७०७०४

श्री ललितेश शर्मा

शिवकृपा, ६७-ए, लक्ष्मीनगर,
पावटा सी रोड,
जोधपुर - ३४२ ०१०
फोन : ०२९१/४६६६८८-४८०५७

श्री तिलकराज शर्मा
३०९, विजयपथ, तिलक नगर,
जयपुर - ३०२ ००४
फोन : ०१४१/६२०२६२

श्री लक्ष्मीनारायण चातक
गंगप्रवाह, सिव्हिल लाईन्स,
टोंक - ३०४ ००१ राज.
फोन : ०१४३२/४४०६८

श्री रवीन्द्र भारती
५४, बरकत नगर, टोक फाटक,
जयपुर - ३०२०१५
फोन : ०१४१/५१०८६९

श्री अशोक तांबी
ए-८९, लक्ष्मीनगर पुरी,
जयपुर - ३०२००१
फोन : ०१४१/६०४७०५-३७००८४

श्री मदनमोहन माथुर
निकट महेश छात्रावास
चौपासनी रोड,
जोधपुर - ३४२००३
फोन : ०२९१/२३०४६

श्री हरदयाल वर्मा
स्टेट बैंक बिकानेर ॲण्ड जयपुर,
कृषि मण्डी, नागौर - ३४१००१

श्री कमल फोफलीया
३६, दुर्गा विहार, देवनगर,
पाल लिंक रोड,
जोधपुर - ३४२००८

श्री मूलचंन्द अजमेरा
एडवोकेट, २१६, राजेन्द्र,
भीलवाडा - ३११००१
फोन : ०१४८२/२७८७५

श्री राकेश उपाध्याय
४-सी २९ तलवंडी,

कोटा-३२४००५
फोन : ०७४४/४२१५१६

श्री गिरीधारीलाल भट्ट
७७२, दादवाडी विस्तार योजना,
पोस्ट ऑफिस कॉलोनी के पीछे,
कोटा-३२४००६
फोन :०७४४/४५१४५४-२२६२८

श्री सुरेश केतकर
भारतीय भवन, ५८ राजेन्द्रनगर पूर्व
लखनऊ-२२६००४
फोन : ०५२२/२२७९५१

श्री सत्यनारायण गोयल
२९/५९ राजामंडी,
आगरा-२८२००२
फोन : ०५६२/३५३२४५

श्री योगेन्द्र, संस्कार भारती
१७३, वीर सावरकर नगर,
आगरा-२८२०१०
फोन : ०५६२/३१०२२३-३१००७६

श्री योगेन्द्रनाथ योगी
४, आवास परिसर,
कला-सिल्प महाविद्यालय,
टैगोर मार्ग, लखनऊ-२२६००७
फोन : ०५२२/६२३९३

श्री यशश्री देशमुख
९१/१६ यदुनाय सानियाल रोड,
लखनऊ-२२६०१८
फोन : ०५२२/२३३६००

श्री श्यामकृष्ण
सी-१०५, सेक्टर ए, महानगर,
लखनऊ-२२६००६
फोन : ०५२२/७४०१७

श्री पूरनचंद्र अग्रवाल
२/१२ मोहनपुरा,
आगरा-२८२००१
फोन : आ. ०५६२/२६०५३७
का. ३६४२२८-३६४५९३

डॉ. राकेश अग्रवाल

हिमदीप, राधापुरी, हापुड़-२४५१०१
(उ०प्र०)
फोन : ०१२२/३११०१५-३१५१९४

श्री पीयुष कान्ति राम, पत्रकार
गांधीनगर,छितवापुर
लखनऊ-२२६००१
फोन : ०५२२/२२४४९२

श्री रमेशजी मौरोलिया
५८/४ बिरहाना रोड,
कानपुर-२०८००१
फोन : ०५१२/३१८२५६

श्री प्रमोद अग्रवाल
ज्ञानकुटी, २८९/९ मोतीनगर,
लखनऊ-२२६००४
फोन : ०५२२/२३५०४८

श्री बांकेलाल गौड
संस्कार भारती,
१७३, वीर सावरकर नगर,
आगरा-२८२०१०
फोन : ०५६२/३१०२२३-३१००७६

श्री सम्यप्रकाश अग्रवाल
५, ज्ञानलोक हापुड़,
जि. गाजियावाद-२४५१०१
फोन : ०१२२/३१२८०९

श्री जयपालसिंह व्यस्त
२/१३५ बुद्धि विहार,
विकास कॉलोनी, मझोला,
मुरादाबाद-२४४१०३
पी.पी. ३१६१६३

श्री सुरेंद्रजी शर्मा
२५०, बिहारीपुरा, वृंदावन,
जि. मुथरा-२८११२१
फोन : ०५६५/४४३८६४

श्री राजबहादुर सिंह
१७-बी/४ बलकेश्वर कॉलोनी,
आगरा-२८२००४
फोन : ०५६२/३४४१३७ का.

श्री विजयशंकर
संस्कार भारती
१७३, वीर सावरकर नगर,
आगरा-२८२०१०
फोन : ०५६२/३१०२२३-३१००७६

श्री चंदनगोपालजी
रंगलोक, १८६, विजयखंड
गोमतीनगर, लखनऊ-२२६०१०
फोन : ०५२२/३९१४६९

श्री कमलेश मौर्य
ग्राम पोस्ट, रामाभारी, बिसवां
जि. सीतापुर-२६१२०१
फोन : ०५८६३/३३२३४

श्री विवेक अग्रवाल
१/२३१, विरामखण्ड, गोमतीनगर,
लखनऊ-२२७१२
फोन : ०५२२/३९१९९२

श्री गिरीशचंद्र मिश्रा
संस्कार भारती,
माधव भवन, मॉडेल हाऊस,
लखनऊ-२२६००१
फोन : ०५२२/२२५६४१

श्री सुनील अग्रवाल
३०७, काली बाड़ी,
बरेली-२४३ ००५
फोन :०५८१/४७८४७७-४७८३८१

श्री जगत शर्मा
कला भारती, परडकर भवन,
४- नेहरू मार्केट, मैदागिन
वाराणसी-२२१ ००१
फोन : ०५४२/नि. ३१०२४४
आ. ३२३८१/८५

श्री महेश्वरपती त्रिपाठी,
शिवरात्री अतिथि गृह,
विन्ध्याचल, जि. मिजापुर-६२३२०

श्री अवधेश मिश्रा
९०, हैदल कॉलोनी, भिकारीपुर,
वाराणसी, उ. प्र.-२२१ ००४
फोन : ०५४२/३१६५९३

श्री केदारनाथ सिन्हा,
सुभाष बालनिकेतन, कस्तूरबानगर,
सिगरा, वाराणसी-२२१ ००१
फोन : ०५४२/३५८२१४

श्री जितेन्द्रजी
संघ कार्यालय, घटाटे राम मंदिर
गोदौलिया, वाराणसी-२२१ ००१
फोन : ०५४२/३२१०६०

श्री शरद ढमढेरे,
'देवेक्शा' सारिका कॉलोनी
१५७, विनय नगर, लोहीया बाजार,
ग्वालियर-४७४ ००१ म० प्र०

श्री शांताराम सर्राफ
जागृती मंडल, गोविन्दनगर,
रायपुर, म. प्र.-४९२ ००१
फोन : ०७७१/४२६४८४

श्रीमती माधवी कुलकर्णी
२०१, रोशन अपार्टमेन्ट्स,
११, भगवानदीन नगर,
इंदौर-४५२ ००१
फोन : ०७३१/४६२०८१

श्री मुरारीलाल महेश्वरी,
'मगन कुंज' भास्कर लेन,
जयेन्द्रगुंज, ग्वालियर-४७४ ००९
फोन : ०७५१/३२२३५६

श्री शैलेन्द्र प्रधान,'विधायक'
ई-३/७५ अरेरा कॉलोनी,
भोपाल-४६२०१६
फोन :०७५५/५६३२५०-५६४३६०

श्री विलास बुचके,
साऊथ टी.टी नगर,
भोपाल-४२२ ००३
फोन : ०७५५/७६८००२

श्री लक्ष्मनराव तराणेकर,
राष्ट्रोथान न्यास भवन, विवेकानन्द
मार्ग, ग्वालियर म० प्र०-४७४ ००१
फोन : ०७५१/२४०७२

श्री ओमप्रकाश मेहता,
९६, रेलवे कॉलोनी, खंडवा,
म. प्र.-४५० ००१
फोन : ०७३३/२३३३२

श्रीमती अल्काताई रीस्वुड,
एम.आई.जी., १/२, शिवाजी परिसर,
शिवाजी नगर, भोपाल,
म. प्र.-४६२ ०१६
फोन : ०७५५/५७२२८२

श्री कामतानाथ वैशम्पायन
सी-६०, कृष्णविहार, समिधाकॉलोनी,
लश्कर, ग्वालियर, म. प्र.-४७४००१
फोन : ०७५१/३३०८३३

श्रीमती सुहास प्रधान
ई-३/७५, अरेरा कॉलोनी, भोपाल,
म० प्र०-४६२ ०१६
फोन :०७५५/५६५३६०-५६३२५०

श्री गोविन्द गंधे,
७२, कृष्ण नगर, राजेन्द्र नगर,
इंदौर, म. प्र.-४५२०१२

श्री वनमाली डी. सप्रे,
२१/५१३, स्नेह नगर, स्टेट बैंक
कॉलोनी, जबलपुर,
म. प्र.-४८२ ००२
फोन : ०७६१/३१३६७५

श्री पी.डी. रूद्रकुमार झा,
११, विवेकानन्द कॉलोनी, छिंडवाडा,
म. प्र.-४८० ००१
फोन : नि. ०७१६२/४५३९२

श्री डॉ. त्रिभुननाथ शुक्ला,
५६, आशोक नगर, अघरताल,
जबलपुर, म. प्र.-४८२ ००४
फोन : ०७६१/३४२४४०

श्री मणीकांत महेश्वरी,
'महेश्वरी निवास', रमणा टोला,
सतना-४८५ ००१
फोन : ०७६७२/२५८६३
दु. २५९६५

श्री कुंजबिहारी शुक्ला,
५५, गोपाल बाग,
जबलपुर, म. प्र.-४८२००२
फोन : ०७६१/३४०१०६

प्रदीप देशपांडे
सी-२०४, एच.टी.पी.पी. कॉलोनी
विदुतनगर, जि० बिलासपुर
म. प्र.-५९५४५१
फोन : ०७७८०/३३२७७

श्री देवेश दत्त मिश्रा
१२, शंकर नगर, मैसेनेट, रायपुर
म. प्र.-४९२ ००७
फोन : ४२८३७०

श्री अरूण शेष
'शारदा सदन' रामदास नगर
टिकरापारा, बिलासपुर
म. प्र.-४९५ ००१

श्री बसंतजी जोशी
१०, चंद्रभागा भवन,
डी.एल. वैदय रोड, दादर
मुंबई-४०० ०२८
फोन : ०२२/४३०६३५९

श्री राजदत्त, इ-४ महेश्वरी नगर,
ओ.आर.के. मील लेन, अंधेरी
प्रभात रोड, मुंबई-४०० ०९३
फोन : ०२२/८३९४५८

श्री शान्ती देव
१०/११, चेंबूर, मुंबई-४०० ०७१
फोन : ०२२/५२२१३६२

श्री सुहासराव कुलकर्णी
'विनायक स्मृति' ११४-ए, पर्वत रोड
पूणे-४११ ००४
फोन : ०२१२/३४३८४९

श्री सुरेश भाई गांधी
महावीर सेट्टी, मेडिकल स्टोर्स के
पास, ता. इंदुर पी. ऑ. वाटदली
जि. सावरकंटा-३८३ २३३

श्री जनार्दन भाई रावत
८-ए, दिवाकर सोसायटी, पाल्डी
अहमदाबाद-३८० ००७
फोन : ०७९/६६३६००६

श्री वंसीधर भाई शर्मा
सी. ९०, सुकीति नगर सोसायटी
जूनापद्र रोड, दीपालीपुरा
बडोदरा - ३९००१५
फोन : ३३४६३०

श्री ओजस भाई हीराणी
'१, आशीर्वाद' सुंदरवन के पास
सॅटलाईट रोड
अहमदाबाद-३८० ०१५
फोन : ०७९/६७४७५९१

श्री पुरूषोत्तम दारव्हेकर
बी-६०२, प्रेमनगर, नं. ६, सरदार
पटेल मार्ग, बोरीवली पश्चिम,
मुंबई-४०० ९९२
फोन : ८०१३२८६

श्री सुरेश दत्तात्रय गायधनी
८९८, गायधनी गल्ली, रविवार
कारंजा, नाशिक-४२२ ००१
फोन : ०२५३/७५५७२

श्री सदानंद भाई आपटे
१०४, श्रेयस अपार्टमेंटस, जयरत्ना
बिल्डिंग के पीछे, नवापुरा
बडोदरा-३९० ००२

श्री कृष्णप्रकाश गुप्ता
३५४, सेंट्रल एव्हेन्यु मार्ग, चेम्बर
मुंबई-४०० ०७१
फोन : ५५६८४७०

श्री श्रीराम जोशी
'जानकी निवास' घरमपेठ
नागपुर-४४० ०१०
फोन : ०७१२/५२३५४६

श्री विश्राम जामदार
१०१, वर्मा ले-आऊट
नागपुर-४४० ०१०
फोन : आ. ०७१०४/३८७३८८

आ. ३८७४४७
नि. ०७१२/५४५७८८

श्री सुमंत यशवंत दंवपूजारी
१९९, शंकर नगर
नागपुर-४४० ०१०
फोन :०७१२/५४०९९६-५४४५८८

श्री अनंतराव देव
५, जानकी रामबाग रोड
गणेशपेठ, नागपुर-४४० ०१८
फोन : ०७१२/७२३११६०

श्री गणेशपंत रोडे
ज्ञानेश महाविद्यालय, नवरगांव पो.
ऑ. जि. चंद्रपुर
फोन : ०७१७८/पी.पी. ८३२८

श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव
१०-ई राजेन्द्रनगर,
पटना-८०० ०१६
फोन : ०६१२/६५३२००

श्री अमीरचंद
संस्कार भारती, विजय निकेतन
पथ ६-ई राजेन्द्रनगर
पटना-८०० ०१६
फोन : ०६१२/६५३२००

डॉ. जीतेन्द्र सहाय
पथ २, राजेन्द्रनगर
पटना-८०० ०१६
फोन : ०६१२/६५३०५८

श्री पुरूषोत्तम रस्तोगी
कचौरी गली, पटना सीटी
पटना-८०० ००८
फोन : ०६१२/६४२०६९-६४१७५३

श्री सिताराम जैन
राजस्थान पेपर एजेंसी, दर्यापुर
पटना-८०० ००४
फोन : ०६१२/६५०५२७-६५४४९३

श्री शिवकुमार मिश्रा
हाऊस नं० ६, रोड नं० १,
गर्दनी बाग, पटना-८०० ००१

श्री नरेन्द्र नारायण मिश्रा
शांतीनिकेतन डिस्पेन्सरी, लाहेरिया सराय दरभंगा, बिहार-८४६ ००१

श्री मोहनचंद्र
हिंदुस्तान ड्रग्स, मोतीझील
मुज्जफरपुर-८४२ ००१
फोन : ०६२१/२४५९६८

श्री सुबोध कुमार
मे. पुरनेन्द्रप्रसाद सुबोधकुमार
सोनापटटी, मुज्झफरपुर-८४२ ००१
फोन : ०६२१/२४२८५०

श्री पंकज कुमार पाठक
सिंडीकेट बैंक, छोटी कल्याणी मार्ग
मुज्झफरपुर-८४२ ००१

श्री अभिजीत कश्यप
३, कैलाश अपार्टमेंटस्, मेन रोड,
कंकडबाग, पटना-८०० ०२०
फोन : ०६१२/३५०७९७

श्री सिताराम पोद्दार,
पोद्दार भवन, झाआंज, पटना सिटी
पटना-८०० ००८
फोन : ०६१२/६४२५६३

श्री अशोक चौघरी
केरोसीन ऑईल डेपो,
मकससपुर, मूंगेर-८११ २०१
फोन : २२८२९

श्री सिद्धीनाथ सिंह
पो. बा.-७, पी.टी.पी.एस. धरमाल
पतरातू, जि. हजारीबाग
फोन : ३६३५१

Shree Vimal Lat, 52, Zakaria Street, Calcutta-700 73
Ph. : (O) 033/255251
250884
(R) 385999, 386024

Shree Arun Kr. Chakarvarty
15-A, Ambika Ghoshal Lane
Howrah - 711102

Shree Hira Lal Kothari
15-A, Ambika Ghoshal Lane
Culcutta-700 006
Ph. : 033/2394370

Shree Bhola Nath Chandra
Aparupa Apartment,H/1,13/1
Janpath Ashwani Nagar,
Bahulhati, Calcutta-700 059

Shree Subhash Bhattacharya
Shivalaya Apartment, K.D.-3
Ashwani Nagar, Bagulhati
Culcutta-700 059
Ph. : 033/2421888 (O)

Shree Dewashish Lahidi
30/1, Balai Singh Lane]
Culcutta-700 009
Ph. : 033/3501976

shree Sarad Madhav Kushre
Triveni RRB Road
South Haibergaon, Nowgaon
Assam-782 002
Ph. : 03672/30197

Shree Yogendra Singh,
Sangh Karyalaya, Keshwa
Niketan, Mohnar Galli,
Ambika Patti, Silchar-758
004
Ph. : 03842/30004

Shree E. Yella Rao, 8/3/667/
11, Krishna Deorao Colony,
Hyderbad, A.P.-500 873
Ph. : 040/3743555

Shree Ashok Kumar Das
A/49, Kharovel Nagar, Unit-
3 Bhuwaneshwar-751 016

Shree AsitBaran Mahapathra
V.I.M. 48, Shail Shree Vihar
Chandra Sekhapuram
Bhuwaneshwar-751 016
Ph. : 0671/440356

Shree Bhim Sen, Mallick
Communi-care, 02-37, First
Floor, Priyadarshinee Market
Opp. CRPF Square
Bhuwaneshwar-751 012

Ph. : 0671/409034-412994

Shree Shree Niwas Panda
Vivekanand Sishu Mandir,
Hirakund Dist,
Sambapur-768 016
Ph. : 0660/291

Shree Devendra Satpathi,
Dept. of Music, R.D.
Womens College, Unit-IX
Bhuwaneshwar (Orissa)

Shree I.V.N. Shstri, Lalita
Nagar, Vishakapatnam-
538016 A.P.

Shree N.V.V. Satyanarain
Moorty, 10-5-33,
Ramaraopet, 1st Junction,
Kakinada-533 004 A.P.
Ph. : 0884/71793

Shree Rukmaji Rao,
Principal, Nrityakala, Shree
Krishna Mandir,
Dwarkanagar, A.P.,
Vishakhapatnam-538 016

Shree Dr. Prasad Rao Kulpati
1/14, Brodipet, Guntur, A.P.
Pin-522 002 Ph. : 31625

Shree Bandaru Dattatreya
H.No. 15-2-531, Gowliguda
Chaman, Hyderabad Ex-MP
Ph. : 68154

Shree Vemmuri Radha
Krishna, Murty, 1-68-4 M,
Motinagar, Hyferabad-
500218

Shree M. Mohan Reddy,
H.No. 18-4-153/1/B, Aliabad
Hyderabad-500 253

A.P. OFFICE
5-4-743, 1st Floor Besides
Hare Krishna Temple, Abids,
Nampally Station Road,
Hyderabad-500 001

Shree Kummarswami
10,4,7-Park View Near
NMVC Garden Appt. Masad
Tank, Hyderabad-500 020
Ph. : 040/3320260

Shree Akkitham Achutan Nambudiri,
Devayanam, Kumaranellur
Palakkd P.O.-679 552

Shree N.P. Rajan Nambi
Nagathingal, Nanminda P.O.,
Kozhikode (Dist.) Kerala

Shree R. Sanjayan
Thapasya, Samakriti Bhavan,
Annie Hall Road,
Kozhikode-673 002
Ph. : 0495/301855

Shree Lakshmi Narayanan
XL/4158, T.D. Road,
Kochi-682 035

Shree Dr. K. Ghanshyamal
Pd. Rao, 25-40-25, Bank
Colony, East Anand Bagh,
Malkajgiri, Hyderabad,
A.P.-500 047
Ph. : P.P. 040/7051466

Shree R. Annamalai
Vivekanand Steet, Perambur
Chennai (Madras)-600 011
Ph. : 044/376048 (O)
6262273

Shree Vijay Singh
132, South Car Street,
Tituchandur,
Vochidambaram (Dist.)-
628215

Shri Chakravarti Thirumagn
Keshavshilp, Kempagowda
Nagar, Bangalore-560 019
Ph. : 080/6612732

Dr. Daya Krishna Vijay
Vargiy, Advocate, Civil
Lines Kota-324001
Ph. : 24677

Shree Motilal Kemmo
5, Apana Vihar, Kunjwani,
Jammu-180 001
Ph. : 01923/20568

Shree Briji Ballabh Mishra,
Rangkuti Rajadhiraj Marg
Mathura-281 001

Shree B.M. Shah
37, Kala Vihar, Samachar
Apartment, Myur Vihar,
New Delhi-110 092
Ph. : 011/2258969

Shree Sekhar Vaisnayy,
1/112, Old Rajendranagar
New Delhi-110 060
Ph. : 011/5735528

Dr. Anil Rastogi
C/o Shri Naresh Chaturwedi
Naresh Bhawan, Bhadevan,
New Basti,Lucknow-226004
Ph. : 63403

Shri Ramswarup
Rasacharaya, M.L.A.
Mathura-281 001

Shree Fida Husain
C/o Shri Jaipal Ji, B-2/135,
Budhi Vihar, Majhola
Moradabad-244 103

Shree P.G. Bhattacharaya
B 16/10, Pandey Havalli
Varansi-221 001
Ph. : 0542/322755

Shree Sudhir Phadkey
Sankar Niwas,
Shivaji Udhyan Marg,
Bombay-400 002

Shree Bala Shaheb
Punchwale, C/o Shri Sharad
Dhamdere, Deveikshs,
Sarika Colony, 157,
Vinaynagar, Sector II,
Gwalior-474 012

Shree Rajashwara Chary,
Lalit Kala Vibhag
Gorakhpur, University,
Gorakhpur, Varansi (U.P.)
Ph. : (R)0542/214422
0551/337008 p.p.

Shree Chatranjan Jayotshi
Sarangan B-24/14-A,
Kashmerijang,
Varanasi-221 010
Ph. : 33120

Dr. Sia Bihari Saran
Sangeet Shree, 4/A, Durga
Colony, G.T. Road,
Jalundhar City-144 008
Ph. : 0181/202360

Smt. Dr. Vina Srivastava
10-E, Rajencra Nagar,
Patna-800 016
Ph. : 0612/652349

Smt. Kiran Poddar Bhawan
KadamKuan, Patna-800 003

Shree Somesh Murtikar
G-12/6, A-4, Nati Lmely,
Varanasi-221 002
Ph. : 344079

Shree Prem Chand
Vishwakarma, Drish Kala
Sankaiya Kashi Vidhya
Peeth, Varanasi-221 001

Smt. Sadhana Singh
9-D, New Agra,Agra-282004

Shree Brijendra Awasthi
Manorma, Kavinagar
Badaun, U.P.

Dr. Yoohodhar Mathpal
Director Lok Samskriti
Sangrahalay, Bhimtal,
Nainital-263 136

Dr. Bhagwati Lal Raj Purohit
12, Veer Durgadas Marg,
Ujjain-456 001

Dr. Sri Durga Sharma
Amar Cottage, 35 Jaton ka
Vas, Ratlam , M.P.

Shree M. Jagannathan
Shakti, 1MV Naidu Street,
Panchvati, Chetput
Madras-600 031
Ph. : 044/8266243-920

Shri Ayodhya Pd. Kumud
'Mandapam' Rat Road ORI
Dist. Jalaun, U.P.
Ph. : 05162/52450

"जीवन का संदेश यहां पर हर कला सुनाती
कोयल जैसे गीत कृष्ण की मुरली गाती
हर पग में नटराज सरीखा नृत्य बसा है
लोक कलायें जीवन में मधु रस बरसातीं।"

सं०

सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए संस्कार भारती, हापुड़ द्वारा प्रकाशित
मुद्रक क्वालिटी जिन्दल प्रिंटर्स, हापुड़